Roll No. 20211443

MY–101/19

योगाचार्य (प्रथम सेमेस्टर) परीक्षा, 2019

प्रथम प्रश्नपत्र

योग के आधारभूत तत्व

समयः—घण्टात्रयम्

सम्पूर्णाङ्काः—80

उत्तीर्णाङ्काः—38

नोट : सभी भागों से निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रथम भाग

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : प्रथम भाग में कुल छः प्रश्न हैं। विद्यार्थी को केवल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए।

1. विभिन्न योगिक ग्रन्थों के अनुसार योग की विभिन्न परिभाषाओं का वर्णन कीजिए।
2. यम-नियम का योग दर्शन के अनुसार विवेचन कीजिए।

3. तन्त्र से आप क्या समझते हैं ? तन्त्र के अनुसार योग के स्वरूप को समझाइए।

4. सिद्ध-सिद्धान्त पद्धति का अर्थ स्पष्ट करते हुए, इस ग्रन्थ की विषय-वस्तु का वर्णन कीजिए।

5. श्रीमद्भगवद्गीता में कितने अध्याय हैं ? नाम सहित उल्लेख कीजिए।

6. योगसूत्र के अनुसार कर्म के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

द्वितीय भाग

(टिप्पण्यात्मक प्रश्न)

नोट : द्वितीय भाग में कुल छः प्रश्न हैं। किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. निम्नलिखित बिन्दुओं पर टिप्पणियाँ लिखिए :

   (अ) ज्ञानयोग के बहिरंग साधन

   (ब) उपनिषदों में अष्टांग योग

2. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :

   (अ) क्रियायोग

   (ब) संयम (योगसूत्र के अनुसार)

3. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :

   (अ) परमहंस योगानन्द का जीवन परिचय

   (ब) सांख्यशास्त्र का परिचय

4. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) वर्तमान समय में योग की उपयोगिता

(ब) भक्ति सागर में योग

5. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) चित्त प्रसादन के उपाय

(ब) निषिद्ध कर्मोंचार विवेचन

तृतीय भाग

(निबन्धात्मक / विवरणात्मक प्रश्न)

नोट : तृतीय भाग में कुल चार प्रश्न हैं। किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। उत्तर लगभग 1000 शब्दों में दीजिए।

1. अष्टांग योग को विस्तार से समझाइए।
2. षट्कर्म का विस्तृत वर्णन कीजिए।
3. प्राण का अर्थ बताते हुए पंचप्राण-उपप्राण की व्याख्या कीजिए।
4. जैनमत के अनुसार 'त्रिरत्न' एवं बौद्धमत के अनुसार 'पंचशील' की विस्तार से व्याख्या कीजिए।